जब जब उत्सव आये | by Anup Sawariya

गणपत जी महाराज का जब जब उत्सव आये
ढोल नगाड़े झांझ बजाते मिलकर जश्न मनाएं
ताली की झनकार से गूंजे भक्तों की आवाज़ से गूंजे
जग में ऐसा नज़ारा.....
बोलो गणपति बप्पा मोरिया
बोलो मंगल मूर्ति मोरिया

चुहु चुहु मूषक भी गाये डमरू नाथ बजाये
ढोलक चिमटा छैने लेकर देव दनुज भी आये
माँ गोरा का राज दुलारा शिव जी की आँखों का तारा
दुनिया पे राज रजाये .....
बोलो गणपति बप्पा मोरिया
बोलो मंगल मूर्ति मोरिया

ढोल बजा के उत्सव मनाकर गणपति तुम्हे रिझायें
नासिक पे तागड़िया बजाकर नागिन बीन बजाएं
देव अनूप चतुर्थी मनावें, देव अनूप तेरा उत्सव मनावे
जय जयकार लगावे .....
बोलो गणपति बप्पा मोरिया
बोलो मंगल मूर्ति मोरिया

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%ac-%e0%a4%9c%e0%a4%ac-%e0%a4%89%e0%a4%a4%e0%a5%8d%e0%a4%b8%e0%a4%b5-%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a5%87-by-anup-sawariya/